जंग के बीच गोल्ड-सिल्वर की चमक फीकी

12 हजार रुपए सस्ता हुआ सोना

30 हजार रुपए नीचे आई चांदी

नई दिल्ली, 23 मार्च. अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव का असर अब कमोडिटी बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है. सोना और चांदी, जिन्हें आमतौर पर संकट के समय सुरक्षित निवेश माना जाता है, इस बार उलट ट्रेंड दिखा रहे हैं.

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, सोमवार को 24 कैरेट सोना 10 ग्राम पर 12,000 से ज्यादा टूटकर करीब 1.35 लाख पर आ गया, जबकि चांदी में 30,000 से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई. पिछले 24 दिनों में सोना करीब 24,000 और चांदी 65,000 तक सस्ती हो चुकी है. यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब वैश्विक स्तर पर युद्ध और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है. विशेषज्ञों के मुताबिक, निवेशक इस समय जोखिम से बचने के लिए सोना-चांदी बेचकर नकदी जुटा रहे हैं. इसके अलावा, ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और ब्याज दरों में सख्ती जैसे कारण भी कीमतों को नीचे ला रहे हैं.

अंतरराष्ट्रीय तनाव और निवेशकों के बदलते रुख के चलते सोना और चांदी की कीमतों में अभूतपूर्व गिरावट देखने को मिल रही है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोना 10 ग्राम पर 12,077 गिरकर 1.35 लाख के स्तर पर पहुंच गया है.

> अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त ब्याज दर नीति भी इस गिरावट का एक अहम कारण मानी जा रही है, क्योंकि इससे गैर-ब्याज देने वाले निवेश जैसे सोना-चांदी कम आकर्षक हो जाते हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले समय में भी कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है. ऐसे में निवेशकों को सतर्क रहने और जल्दबाजी में निर्णय न लेने की सलाह दी जा रही है. इस बीच, उपभोक्ताओं के लिए यह गिरावट एक अवसर भी हो सकती है, खासकर उन लोगों के लिए जो आभूषण खरीदने की योजना बना रहे हैं हालांकि, खरीदारी करते समय हॉलमार्क और कीमत की जांच जैसे जरूरी सावधानियों का पालन करना बेहद आवश्यक है.

रुपया पहली बार 94 प्रति डॉलर पर

मुंबई, 23 मार्च. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सोमवार को पहली बार 94 प्रति डॉलर से नीचे उतर गया. पिछले कुछ दिनों से लगातार नये निचले स्तर को छूने वाली भारतीय मुद्रा आज 31.25 पैसे लुढ़ककर 93.8475 रुपये प्रति डॉलर पर खुली. बीच कारोबार में यह 94.1125 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गयी. यह पहली बार है जब एक डॉलर 94 रुपये से ज्यादा का बोला गया है.

अहमदाबाद मंडल में मोबाइल फ्यूलिंग सेवा शुरू

टॉवर वैगनों को अब साइट पर ही मिलेगा डीजल

रेलवे का स्मार्ट कदम, ऑन-साइट फ्यूलिंग से होगी बचत

अहमदाबाद, 23 मार्च. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा विद्युत विभाग के अंतर्गत टॉवर वैगनों के लिए डीज़ल आपूर्ति व्यवस्था को अधिक दक्ष एवं किफायती बनाने हेतु मोबाइल फ्यूल डिस्पेंसर प्रणाली के माध्यम सेसड़क मार्ग द्वारा ऑन-साइट फ्यूलिंग सुविधाप्रारंभ की गई है.

अहमदाबाद मंडल में वर्तमान में लगभग 2834ट्रैक किलोमीटर मार्ग का विद्युतीकरण किया जा चुका है तथा कुल 14टीआरडी डिपो कार्यरत हैं, जिनमें ध्रांगध्रा, पालनपुर, मालिया मियाना, राधनपुर, मेहसाणा, कलोल,हिम्मतनगर,अहमदाबाद, अडेसर, सामाखियाली, वीरमगाम, गांधिधाम, भुज एवं भिलडी शामिल हैं. इन डिपो में टॉवर वैगनों की तैनाती ओवरहेड उपकरण के रख-रखाव एवं आपातकालीन ब्रेकडाउन कार्यों हेतु की जाती है. पूर्व में टॉवर वैगनों को ईंधन भराने के लिए नामित आरसीडी फ्यूल टर्मिनलों—अहमदाबाद, भिलडी एवं गांधिधामइत्यादि पर जाना पड़ता था, जिससे ईंधन, समय एवं मानव संसाधनों की अनावश्यक खपत होती थी तथा टॉवर वैगनों की उपलब्धता प्रभावित होती थी. अब मंडल द्वारा प्रारंभ की गई मोबाइल फ्यूलिंग सुविधा के अंतर्गत टॉवर वैगनों को उनके कार्यस्थल या निकटतम स्थान पर ही डीज़ल उपलब्ध कराया जाएगा. इससे टॉवर वैगनों को फ्यूलिंग हेतु अलग से लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी.

फ्रैक्टोप्रॉप को सेबी की मंजूरी, रियल्टी फंड लॉन्च

मुंबई, 23 मार्च. रियल एस्टेट केंद्रित फंड प्रबंधन कंपनी फ्रैक्टोप्रॉप को भारतीय प्रतिभूति एवं नियामक बोर्ड से रिदमा रियल एस्टेट फंड के लिए पंजीकरण प्राप्त हो गया है. फ्रैक्टोप्रॉप ने सोमवार को बताया कि यह फंड कैटेगरी 2 में वैकल्पिक निवेश फंड है.

कंपनी ने इस फंड के लिए 50 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है जिसमें 75 करोड़ रुपये तक का ग्रीनशू विकल्प भी है. रिदमा रियल एस्टेट फंड मुंबई महानगरीय क्षेत्र में तेज विकास की संभावना वाले छोटे बाजारों में मध्यम आय और प्रीमियम आवासीय तथा वाणिज्यिक रियल एस्टेट परियोजनाओं में ढांचागत ऋण और इक्विटी निवेश पर फोकस करेगी. प्रत्येक परियोजना में सामान्यत: 10-12 करोड़ रुपये के निवेश की योजना है जिससे मजबूत आधारभूत तत्वों और विश्वसनीय डेवलपर साझेदारों वाली परियोजनाओं को समर्थन मिलेगा. फंड के प्रोयाजक धवल ठक्कर ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में हमने रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी के ढांचागत स्रोतों की बढ़ती मांग देखी है, विशेष रूप से उच्च-विकास वाले शहरी छोटे बाजारों में परियोजनाओं के लिए.फ्रैक्टोप्रॉप आर.डी. ब्रदर्स समूह द्वारा प्रायोजित है, जो महाराष्ट्र, गुजरात और पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण, परियोजना विकास और परिसंपत्ति मौद्रीकरण में दो दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाला समूह है.

जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने बढ़ाया अपने विस्तार का दायरा

कंपनी की स्थापित ग्राइंडिंग क्षमता बढ़कर 24.1 एमटीपीए हुई

मुंबई/नागौर (राजस्थान), 23 मार्च. भारत की अग्रणी पर्यावरण अनुकूल सीमेंट उत्पादक और विविधीकृत जेएसडब्ल्यू समूह की अंग, जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने आज अपने राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के लिहाड़ से उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है. कंपनी ने राजस्थान के नागौर जिले में स्थित अपने अत्याधुनिक, ग्रीनफील्ड, एकीकृत सीमेंट विनिर्माण संयंत्र में उत्पादन शुरू कर दिया है.

यह उत्तरी भारत में कंपनी का इस तरह की पहला संयंत्र है. उत्तरी क्षेत्र में इस नए संयंत्र के साथ, कंपनी की कुल सीमेंट ग्राइंडिंग क्षमता अब 24.1 एमटीपीए और कुल क्लिंकर निर्माण क्षमता (कंपनी के संयुक्त उद्यम, जेएसडब्ल्यू सीमेंट एफडसी की क्लिंकर क्षमता सहित) 9.74 एमटीपीए हो गई है. नागौर एकीकृत संयंत्र में 3.30 एमटीपीए की क्लिंकर बनाने वाली इकाई और 2.50 एमटीपीए की सीमेंट ग्राइंडिंग इकाई है. इसके अलावा, यहां 1.00 एमटीपीए की एक अतिरिक्त सीमेंट ग्राइंडिंग इकाई का भी निर्माण हो रहा है. रणनीतिक रूप से स्थित यह संयंत्र राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के तेजी से बढ़ते बा?ारों की ?रूरतों को पूरा कर सकता है. नागौर इकाई के लिए वित्तपोषण इक्विटी और दीर्घकालिक ऋण के रणनीतिक मिश्रण के जरिये किया गया है.

> जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रबंध निदेशक, श्री पार्थ जिंदल ने आज इसकी घोषणा करते हुए कहा किराजस्थान के नागौर में हमारी फैक्टरी में उत्पादन शुरू होना जेएसडब्ल्यू सीमेंट के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि है. हमने अपने आईपीओ के दौरान बताया था कि हम कंपनी को राष्ट्रीय स्तर पर विशाल कंपनी बनाने के लिए मज़बूती से आगे बढ़ाना चाहते हैं, और इस नई फैक्टरी के चालू होने के साथ कंपनी तेजी से विस्तृत होते उत्तरी भारत के बाज़ार में कदम रख रही है. हम इस इलाके की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने और राजस्थान, हरियाणा, पंजाब तथा एनसीआर क्षेत्र की आर्थिक तरक्की में अपना योगदान देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि कंपनी सिर्फ 21 महीनों के अंदर ही इस नई और पूरी तरह से एकीकृत इकाई चालू करने में कामयाब रही, जिससे हमारी परियोजना को पूरा करने की क्षमता जाहिर होती है.

चावल मजबूत, गेहूं, चीनी, खाद्य तेलों में नरमी, दालों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 23 मार्च. घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल की औसत कीमत बढ़ गयी. वहीं, गेहूं, चीनी और खाद्य तेलों में गिरावट रही. दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया. औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 46 रुपये बढ़कर 3,853 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया. गेहूं 12 रुपये सस्ता हुआ और 2,806 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया. आटे की कीमत भी 14 रुपये घट गयी.

दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव देखा गया. उड़द दाल औसतन 70 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई. मूंग दाल में 32 रुपये की नरमी रही. मसूर दाल की कीमत 40 रुपये और तुअर दाल की 16 रुपये बढ़ गयी. चना दाल 10 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई. विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज अवकाश रहा. मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.47 प्रतिशत की नरमी के साथ 65.18 सेंट प्रति पौंड बोला गया. स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 298 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी. सूरजमुखी तेल 176 रुपये और वनस्पति 83 रुपये सस्ता हुआ. मूंगफली तेल 70 रुपये और सरसों तेल 34 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया. सोया तेल में पांच रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही. मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 47 रुपये प्रति क्विंटल घट गया. वहीं, चीनी नौ रुपये सस्ती हुई.

भारतीय शेयर बाजारों में फिर आई गिरावट

1.836 अंक पर गिरा सेंसेक्स

601 अंक पर फिसला निफ्टी

मुंबई, 23 मार्च. घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को एक बार फिर पश्चिम एशिया का संकट हावी रहा और बीएसई का सेंसेक्स 1,836.57 अंक (2.46 प्रतिशत) लुढ़ककर 21 महीने के निचले स्तर 72,696.39 अंक पर आ गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 601.85 अंक यानी 2.60 प्रतिशत को गोता लगाकर 11 महीने से ज्यादा के निचले स्तर 22,512.65 अंक पर बंद हुआ. सेंसेक्स का यह 04 जून 2024 के बाद का और निफ्टी-50 का 07 अप्रैल 2025 के बाद का निचला स्तर है. पश्चिम एशिया संकट के असर से पूरी दुनिया में शेयर बाजारों में आज भारी गिरावट रही. साथ ही भारतीय मुद्रा में जारी नरमी के कारण भी निवेश धारणा कमजोर हुई है. खबर लिखे जाते समय अंतरबैंकिंग मद्रा बाजार में रुपया फिलहाल 49 पैसे टूटकर 94.0250 रुपये प्रति डॉलर पर था. एक समय यह 94.0350 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था. मझौली और छोटी कंपनियों पर और अधिक दबाव रहा. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 3.67 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 3.94 प्रतिशत गिर गया. बाजार में उथल-पुथल को मापने वाला इंडिया वीआईएक्स 17 के पार रहा.

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहे

नई दिल्ली, 23 मार्च. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम सोमवार को स्थिर बने रहे. देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में आज पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही. पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है. इंडियन ऑयल के प्रीमियम पेट्रोल एक्सपी95 का मूल्य 20 मार्च को दो रुपये बढ़ाया गया था.

अश्विनी ने लॉन्च किया राष्ट्रीय एआई स्किलिंग प्लेटफॉर्म

बिल्ट-इन टीवी ट्यूनर और एडवांस्ड ईपीजी से बढ़ेगी दर्शकों की पहुंच

नई दिल्ली, 23 मार्च. केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय एआई स्किलिंग पहल बिल्ट-इन टीवी ट्यूनर और एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्राम गाइड लॉन्च किया.

इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि सरकार की तकनीक के लोकतंत्रीकरण की पहल ने भारत में टीवी देखने के अनुभव को पूरी तरह बदल दिया है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाला मनोरंजन अब और अधिक घरों तक पहुँच रहा है.

उन्होंने बताया कि पहले बड़े सेट-टॉप बॉक्स की जरूरत थी, लेकिन अब पहल के तहत टीवी निर्माताओं, प्रसार भारती और दूरदर्शन के सहयोग से बिल्ट-इन टीवी कार्ड के माध्यम से यह सुविधा सीधे टीवी सेट में आ गई है. मंत्री ने इसे लागत-कुशल और आसान पहुँच के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया. प्लेटफॉर्म और दूरदर्शन के क्रिएटर्स' कार्नर से कंटेंट क्रिएटर्स को भारत की संस्कृति, पर्यटन, हस्तशिल्प और क्षेत्रीय कहानियों को पेश करने का अवसर मिलेगा. मंत्री ने सभी क्रिएटर्स से इस अवसर का पूरा लाभ उठाने, अपनी कहानियां साझा करने और अपने कंटेंट का प्रभावी मुद्रीकरण करने की अपील की.

जाइडस ने पेश किया सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन

नई दिल्ली, 23 मार्च. लाइफ साइंसेज कंपनी जाइडस लाइफ साइंसेज लि. ने मधुमेह के इंजेक्शन सेमाग्लूटाइड को - सेमाग्लिन , माशेमा और अल्टरमे, इन तीन तीन ब्रांड नाम से पेश किया है. कंपनी ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि इस दवा के पेटेंट से बाहर आने के बाद इसे भारत में प्रस्तुत किया गया है. कंपनी ने कहा है कि भारत के औषधि महानिदेशक ने पहले ही टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस और मोटापे के इलाज के लिए इस इंजेक्शन की मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग की मंजूरी दे दी थी.

समाचार विशेष

4 चुनावी राज्यों में से केवल 1 में बीजेपी की सत्ता

मोदी मैजिक के लिए लिटमस टेस्ट साबित होंगे अप्रैल के चुनाव!

नई दिल्ली. भारत की राजनीति में अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनावों को बेहद अहम माना जा रहा है. इन चुनावों से यह तय होगा कि क्या नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा उन राज्यों में भी अपनी पकड़ मजबूत कर पाएगी, जिन्हें अब तक उसके लिए राजनीतिक रूप से कठिन माना जाता रहा है.

2024 के लोकसभा चुनावों के बाद हुए कई विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अपना दबदबा बरकरार रखा था. उन परिणामों ने विपक्ष की उम्मीदों को झटका दिया और पार्टी के आत्मविश्वास को बढ़ाया. अब अप्रैल में होने वाले चुनाव भाजपा के लिए एक नए दौर की शुरुआत माने जा रहे हैं, जहां उसे अपनी चुनावी गति को बनाए रखते हुए नए क्षेत्रों में राजनीतिक विस्तार की चुनौती का सामना करना होगा.

चुनावों की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब केंद्र सरकार पर विपक्ष के हमले तेज हो गए हैं. विपक्षी दलों ने सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की कोशिश की है, जिनमें अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता, पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा शामिल है. विपक्ष इन मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार निशाना साध रहा है और कोशिश कर रहा है कि इन चुनावों को केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जनमत संग्रह की तरह पेश किया जाए. ऐसे में ये चुनाव न केवल क्षेत्रीय राजनीति बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से भी जनता के मूड को समझने का एक अहम मौका बन सकते हैं.

> **असम में आत्मविश्वास के साथ मैदान में भाजपा**
>
> इन चुनावों में भाजपा जिस राज्य में सबसे अधिक आत्मविश्वास के साथ उतर रही है, वह है असम है. पार्टी 2016 से यहां सत्ता में है और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में उसने अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत की है. भाजपा ने यहां बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया है. पार्टी इस मुद्दे को स्थानीय अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान के साथ जोड़कर पेश कर रही है. भाजपा का मानना है कि यह रणनीति राज्य में उसे मजबूत जनसमर्थन दिलाने में मदद कर सकती है.

झारखंड में भी बढ़ गई चिंता

रांची. बिहार, हरियाणा और ओडिशा के घटनाक्रम से झारखंड में चिंता बढ़ गई है. गौरतलब है कि झारखंड में जून में राज्यसभा की दो सीटें खाली हो रही हैं. इनके लिए मई में चुनाव होंगे. राज्य में कांग्रेस के समर्थन वाली जेएमएम सरकार है, जिसके पास 56 विधायकों का समर्थन है.

81 सदस्यों की विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 28 वोट की जरुरत होती है. इस लिहाज से जेएमएम गठबंधन को आराम से दो सीटें मिल जाएंगी. एक सीट जेएमएम के संस्थापक शिबू सोरेन की है, जो पिछले साल उनके निधन के समय से खाली है और दूसरी सीट भाजपा के दीपक प्रकाश की है. कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दोनों सीटों पर दावेदारी की है. लेकिन कांग्रेस और राजद के दबाव में उनको एक सीट छोड़नी होगी.गौरतलब है कि राज्य में कांग्रेस और राजद के पास 20 विधायक हैं.

> कहा जा रहा है कि बिहार और झारखंड से पांच बार राज्यसभा सांसद रहे प्रेमचंद गुप्ता को लड़ाया जा सकता है. हालांकि कांग्रेस अपना उम्मीदवार देना चाहती है और धीरज साहू से लेकर सुबोधकांत सहाय तक दावेदार हैं. दूसरी ओर भाजपा गठबंधन के पास 24 विधायक हैं और एक जयराम महतो हैं. यानी भाजपा को चार विधायकों की जरुरत है. सत्तारुढ़ गठबंधन से जो भी उम्मीदवार आएगा उसे बहुत प्रबंधन करना होगा, क्योंकि कांग्रेस, राजद व लेफ्ट के विधायक किसी एक कमान से नहीं बंधे हैं, जबकि एनडीए में सिर्फ चार वोट का प्रबंध करना होगा.

पूर्व मेदिनीपुर पर क्यों टिकी टीएमसी-भाजपा की नजरें

पहले चरण में ही डलेंगे वोट, चुनाव आयोग भी एक्टिव

कोलकाता. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही पूर्व मेदिनीपुर जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. जिले की सभी 16 विधानसभा सीटों पर पहले चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा. प्रशासन और चुनाव आयोग ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं.

जिला प्रशासन के अनुसार, चुनाव प्रक्रिया 30 मार्च को गजट नोटिफिकेशन जारी होने के साथ औपचारिक रूप से शुरू होगी. उम्मीदवार 6 अप्रैल तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे, जबकि 7 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी. नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 9 अप्रैल तय की गई है. मतदान 23 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी और 6 मई तक पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न कर ली जाएगी. इस बीच, पूर्व मेदिनीपुर जिला एक बार फिर से फोकस में है.

पूर्व मेदिनीपुर जिले में इस बार कुल मतदाताओं की संख्या करीब 40 लाख 85 हजार है. इनमें 21 लाख से अधिक पुरुष मतदाता, लगभग 19 लाख 80 हजार महिला मतदाता और 39 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं. खास बात यह है कि 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के करीब 48 हजार नए मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. जिले में कुल 4420 मुख्य मतदान केंद्र और 620 सहायक केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें अधिकांश बूथ ग्रामीण इलाकों में स्थित हैं. प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक मॉडल बूथ और 40 महिला संचालित बूथ स्थापित किए जाएंगे.

विशेष **नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी के कंधे पर रखा हाथ, कही बड़ी बात**

'आगे यही सब काम करेंगे', तय हो गया सीएम?

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जमुई के एक कार्यक्रम में सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर यह साफ कहा कि आगे यही सब काम करेंगे. नीतीश कुमार के इस बयान के बाद कयास लगाए जाने लगे और नीतीश कुमार के इस बयान को बिहार के अगले सीएम की घोषणा के रूप में भी देखा जाने लगा.

जमुई में आयोजित इस सार्वजनित सभा के मंज पर जेडीयू के कई बड़े नेता औक मंत्री भी मौजूद रहे. इसके अलावा उन्होंने मंच से हाथ उठाकर सभा में आए लोगों से लोगों से सम्राट चौधरी को समर्थन करने की भी अपील की. दरअसल, मुख्यमंत्री के इस व्यवहार और सार्वजनिक समर्थन ने राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज कर दी है कि सम्राट चौधरी ही बिहार के अगले सीएम होंगे और अब नीतीश कुमार का भरी सभा में उनके लिए समर्थन मांगना यह साफ दिखाता है कि चौधरी नीतीश की भी पहली पसंद बन गए हैं. अब नीतीश कुमार के इस व्यवहार के बाद यह चर्चा इसलिए भी तेज हो गई क्योंकि नीतीश कुमार का ऐसे समर्थन मांगना यह साफ दिखाता है कि आगे चलकर सम्राट चौधरी को जेडीयू का भी पूर्ण रूप से समर्थन मिल सकता है.

ऐसा पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी को लेकर मैसेज दिया हो. इससे पहले 12 मार्च को भी उन्होंने एक जनसभा के दौरान कहा था कि उनकी नजर में सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त चेहरा हैं. अब नीतीश कुमार ने यह दूसरी बार संदेश दिया है कि वह सम्राट चौधरी को ही बिहार का अगला सीएम देखना चाहते हैं.

> **नीतीश कुमार का दिखा अनोखा अंदाज**
>
> नीतीश कुमार ने महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्हें कार्यक्रम स्थल पर रुकने की अपील की. उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा कि सरकार जो भी काम कर रही है, वह खास तौर पर महिलाओं के हित में ही है, इसलिए उन्हें जल्दबाज़ी में जाने की जरूरत नहीं है. मुख्यमंत्री मुस्कुराते हुए महिलाओं को समझा रहे थे कि सरकार ने उनके कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई हैं उनकी जानकारी उन्हें होनी चाहिए. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में महिलाओं के लिए और भी काम किए जाएंगे.